RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : शुक्रवार 07 जून 2024 वर्ष 06 अंक 50 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

भाजपा मुंबई प्रमुख आशीष शेलार के 'राजनीति से संन्यास' के वादे पर शिवसेना यूबीटी सांसद अरविंद सावंत

Page - 3

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

देवेन्द्र फडणवीस को छोड़ना पड़ सकता है महाराष्ट्र...

अब दिल्ली में कर सकते हैं सरकार का हाथ मजबूत

भाजपा ने कार्यवाहक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनाने की तैयारी तेज कर दी है। अमित शाह और जेपी नड्डा काफी सक्रिय हैं। 9 जून को शाम छह बजे शपथ ग्रहण समारोह होगा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस इसी सिलसिले में दिल्ली में हैं। सूत्र बताते हैं कि फडणवीस को महाराष्ट्र से स्थायी तौर पर दिल्ली लाया जाएगा। उन्हें मोदी मंत्रिमंडल या संगठन में कोई बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है। इसके अलावा प्रधानमंत्री की टीम में हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी होंगे।

पार्टी का मुख्य जोर महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा समेत सभी राज्यों में तालमेल पर जोर देने पर है। पश्चिम बंगाल से भी एक बड़े नेता को दिल्ली बुलाया जा सकता है। फिलहाल फडणवीस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मिल रहे हैं। उन्हें कोई बड़ा संदेश दिए जाने की तैयारी है।

उद्धव को मनाने की एक नाकाम पहल हो चुकी है, दूसरी जारी

यह खबर महाराष्ट्र के सूत्रों के हवाले से है। उद्धव ठाकरे परिवार का मुंबई के एक उद्योगपति परिवार से गहरा रिश्ता है। बताते हैं कि इस उद्योगपति परिवार ने राष्ट्रीय नेता के संकेत पर ठाकरे परिवार को अपने घर आमंत्रित किया था। इसमें ठाकरे परिवार के सामने प्रस्ताव रखा गया। उन्हें मनाने की कोशिश के तौर पर मजबूत संकेत दिए गए, लेकिन बताया जाता है कि उद्धव ठाकरे के मन में कोई भ्रम नहीं रहता। विनम्रता से सीधी बात रखते हैं। उन्होंने अपनी चिंताएं जाहिर करते हुए संबंधित व्यक्ति को बड़ी सहजता से फिलहाल मना कर दिया। हालांकि, सरकार और नागपुर का संघ मुख्यालय, दोनों चाहते हैं कि शिवसेना (उद्धव) से रिश्ते ठीक किए जाएं। देखना है कि आगे राजनीति किस करवट बैठती है।

क्षत्रप दिल्ली में बनाएंगे नया समीकरण

भाजपा के एक बड़े नेता ने भी इसका संकेत दिया है। मनोहर लाल खट्टर और शिवराज सिंह चौहान के अलावा दो अन्य बड़े नेता भी 18वीं लोकसभा के सदस्य होंगे। माना जा रहा है कि दोनों नेताओं को प्रधानमंत्री अपने मंत्रिमंडल में स्थान दे सकते हैं। प्रधानमंत्री, अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को पता है कि तीसरे कार्यकाल में चुनौतियां काफी बढ़ी हैं। इसे ध्यान में रखकर दिल्ली में अनुभवी नेताओं की जरूरत बढ़ गई है। वैसे भी लोकसभा चुनाव 2024 में मोदी सरकार के दूसरे मंत्रिमंडल के दो दर्जन से अधिक मंत्री चुनाव हार गए हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री को अपनी कैबिनेट के लिए योग्य और अनुभवी नेताओं की जरूरत है।

दिल्ली क्यों आ सकते हैं देवेंद्र फडणवीस?

महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव में भाजपा का प्रदर्शन काफी खराब रहा है। फडणवीस ने पहले ही इसकी जिम्मेदारी लेकर इस्तीफे की पेशकश की है, लेकिन उनकी भूमिका को लेकर महाराष्ट्र में काफी अंदरूनी घमासान है। फडणवीस से ही अब मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को भी तमाम शिकायतें हैं।

शिवसेना (उद्धव) के प्रमुख उद्धव ठाकरे को भी फडणवीस की भूमिका को लेकर बड़ी शिकायतें रही हैं। फडणवीस से नितिन गडकरी का रिश्ता भी अलग केमिस्ट्री बनाता है। भाजपा के वरिष्ठ नेता चंद्रकांत पाटील समेत तमाम नेता भी अंदरुनी तालमेल पर बड़ा जोर दे रहे हैं। चंद्रशेखर बावनकुले का भी जोर महाराष्ट्र में भाजपा को मजबूत बनाने का है। इसी तरह से पार्टी के भीतर तमाम नेता हैं, जिन्हें फडणवीस की भूमिका को लेकर काफी दिक्कतें हैं। हालांकि, देवेन्द्र फडणवीस मोदी और अमित शाह के काफी प्रिय माने जाते हैं। पार्टी ने इससे पहले अंदरूनी हालात को संभालने के लिए ही विनोद तावड़े को महाराष्ट्र से दिल्ली लाकर संगठन में जगह दी है। हालांकि यह भी माना जाता है कि बिना दिल्ली के इशारे के महाराष्ट्र में फडणवीस कोई पत्ता नहीं हिलाते। इसलिए फडणवीस का ध्यान रखने की जिम्मेदारी दिल्ली भी समझती है।

विधानसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा तय करेगी अपना भविष्य...

लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे ने भाजपा को काफी अचंभित किया है। इसी साल महाराष्ट्र, हरियाणा, दिल्ली, झारखंड में विधानसभा चुनाव होने हैं। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की नजर केंद्र में सरकार के गठन के साथ-साथ इन राज्यों पर भी है। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के कुर्सी छोड़ने के बाद से वहां लगातार हालात बिगड़ रहे हैं। महाराष्ट्र के चुनाव नतीजे ने भी चौंकाया है। ऐसे में माना जा रहा है कि महाराष्ट्र में भाजपा अपने सभी कील-कांटे दुरुस्त करने का प्रयास करेगी। इसके लिए उसे राह के अपने कुछ कांटों को दूसरी जगह स्थान देना

मुंबई के माहिम इलाके में बड़ा हादसा... बिल्डिंग का स्लैब गिरने से दो महिला जख्मी, एक की मौत

मुंबई : मुंबई के महिम इलाके में हादसा हुआ है. एक खाली बिल्डिंग की पहली मंजिल का एक बड़ा स्लैब दो दो महिलाओं पर गिर गया. जिस हादसे में एक 35 वर्षीय महिला की मौत हो गई और एक अन्य महिला घायल हुई है. जिसे इलाज के लिए अस्पतालमे भर्ती करवाया गया है. जहां पर महिला का इलाज शुरू है. बीएमसी की तरफ से दी जनकारी के अनुसार घटना की सूचना शाम 5:31 बजे दी गई. वहीं पहली मंजिल पर मलबा हटाने के दौरान एक मजदूर स्लैब वाले हिस्से के नीचे फंस गयाहै.

अजित पवार को लग सकता है बड़ा झटका!

एक दर्जन से ज्यादा विधायक करना चाहते हैं वापसी... जल्द फैसला लेंगे पवार

लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे आने के बाद महाराष्ट्र में हलचल मची हुई है. महाराष्ट्र में दरअसल जैसा बीजेपी जीत का दावा कर रही थी. उसके मुकाबले बहुत ही खराब प्रदर्शन किया है. नतीजों के बाद महाराष्ट्र सरकार के अंदरखाने आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है. उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पहले ही हार की जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देने की बात कह चुके हैं. इन सब घटनाक्रमों के बीच एक बड़ी खबर आ रही है कि अजित पवार को महाराष्ट्र में बड़ा झटका लग सकता है.

महाराष्ट्र में बीजेपी का बुरा हाल

बता दें कि महाराष्ट्र में लोकसभा सीटों की कुल संख्या 48 है. इनमें से इस चुनाव में बीजेपी ने मात्र नौ लोकसभा सीटें जीत पाई है. साल 2019 के संसदीय चुनावों की तुलना में बीजेपी सांसदों की संख्या 14 घट गई है. साल 2019 के लोकसभा चुनावों में भाजपा ने अकेले 23 सीटें जीती थीं. इस बार, भाजपा और पार्टी के सहयोगी दलों ने मात्र 17 सीटें जीती है. वहीं, शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और एनसीपी (शरदचंद्र पवार) की विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) ने राज्य की 48 में से 30 सीटों पर जीत हासिल की है.

देवेंद्र फडणवीस के इस्तीफे पर क्या बोले

जयंत पाटिल देवेंद्र फडणवीस के इस्तीफे पर भी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा है कि देवेंद्र फडणवीस अगर इस्तीफा देना चाहते है तो उनकी मर्जी है ये उनकी पार्टी और उनका मत होगा इसमें हम कुछ कह नहीं सकते. महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र में मिली हार मेरी जिम्मेदारी है, ये सेट बैक जो हुआ है उसकी जिम्मेदारी मेरी है मैं इस हार की जिम्मेदारी लेता हूं मैं शीर्ष नेतृत्व से अपील करूंगा कि मुझे राज्य सरकार में दी गई सरकार की जिम्मेदारी से मुक्त करें मै पार्टी में संगठन के लिए पूरे तरीके से काम करना चाहता हूं आने वाले से विधान सभा चुनाव के लिए पूरे समय काम करूंगा.

अजित पवार के खेमे में जा चुके एनसीपी से एक दर्जन से ज्यादा विधायक घर वापसी के लिए तैयार. ये विधायक एनसीपी शरद पवार की बेटी और सांसद सुप्रिया सुले, प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल और विधायक रोहित पवार के संपर्क में हैं.

नवी मुंबई में इस वर्ष नगर निगम के छात्रों को समय पर मिलेगी वर्दी

नवी मुंबई: पिछले साल स्कूल सामग्री और यूनिफॉर्म के वितरण में किसी भी तरह के घोटाले या भ्रष्टाचार से बचने के लिए नगर निगम ई-रुपी के माध्यम से स्कूल यूनिफॉर्म और सामग्री का वितरण करने जा रहा था, लेकिन कई त्रुटियों के कारण योजना बाधित हो गई थी. छात्रों को केवल वर्दी और पाठ्यपुस्तकें दी गईं। हालांकि इस साल स्कूल शुरू होते ही पहले या दूसरे हफ्ते में स्कूल यूनिफॉर्म और शैक्षणिक सामग्री देने की योजना है, ऐसी जानकारी शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने दी है.

नवी मुंबई शहर के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए, नगर निगम ने अत्याधुनिक स्कूल भवनों का निर्माण किया है। नगर निगम स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों को नोटबुक, नोटबुक, किताबें, जूते, मोजे, वर्दी जैसी स्कूली सामग्री दी जाती है।

नवी मुंबई म्युनिसिपल स्कूल में सुविधाओं और शिक्षा की गुणवत्ता के कारण राज्य के अन्य म्युनिसिपल स्कूलों की तुलना में नवी मुंबई म्युनिसिपल स्कूल में छात्रों की संख्या भी बढ़ रही है। वर्तमान में 50 हजार विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। स्कूली सामग्री और यूनिफॉर्म वितरण में किसी तरह का भ्रष्टाचार न हो, इसके लिए नगर निगम ई-मनी के जरिए शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराने की योजना बना रहा है। लेकिन कुछ त्रुटियों के कारण इसमें समय लग गया.

संपादकीय...

गठबंधन सहारे मोदी सरकार

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बन सकते हैं। भाजपा न केवल लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी है, बल्कि 291 सांसदों वाले एनडीए का सदन में स्पष्ट बहुमत भी है। बहुमत का जादुई आंकड़ा 272 है। नियम और परंपरा के मुताबिक, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सबसे पहले भाजपा-एनडीए के नेता मोदी को, सरकार बनाने के लिए, आमंत्रित करेंगी। भाजपा और मोदी प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने को तैयार हैं। यह भाजपा मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने घोषित भी किया है, लेकिन इस बार मोदी एक 'मिथक' और निरंकुश भाव से काम करने वाले नेता साबित नहीं हो सकेंगे। चूंकि जनादेश कमजोर और गठबंधन का है, लिहाजा इस बार तेलुगूदेशम पार्टी (टीडीपी) और जनता दल-यू सरीखे सहयोगियों की सलाह और पूछ भी अनिवार्य होगी। टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू केंद्र में संयुक्त मोर्चा सरकारों और भाजपा की वाजपेयी सरकार के दौरान संयोजक और सहयोगी रह चुके हैं। वह बार-बार सरकारों को बाध्य करते थे और अपनी मांगें मनवाने की जिद करते थे। अंततः उन्होंने एनडीए छोड़ने का फैसला किया, नतीजतन सरकार कमजोर हुई। बेशक उस दौर की तुलना में अब भाजपा सांसदों की संख्या काफी है, लेकिन स्पष्ट बहुमत से 30 सांसद कम हैं। लिहाजा सहयोगी दलों के समर्थन के बिना मोदी सरकार भी अस्थिर रहेगी।

यह जनादेश 2014 और 2019 से बिल्कुल भिन्न है। प्रधानमंत्री मोदी 10 साला कार्यकाल के दौरान लगभग निरंकुश होकर फैसले लेते रहे। प्रधानमंत्री दफ्तर भी उसी तर्ज पर काम करता रहा। अब यह गठबंधन की सरकार होगी, लिहाजा प्रधानमंत्री को समान नागरिक संहिता, एक देश एक चुनाव, कुछ आर्थिक सुधार, एनसीआर सरीखे मुद्दों पर फिलहाल विराम लगाना पड़ेगा अथवा टीडीपी और जद-यू की सहमति सरकार के लिए बाध्यकारी होगी। इस बार विपक्ष भी ताकतवर होगा। उनका नेता प्रतिपक्ष भी होगा, लिहाजा मुद्दों और विधेयकों पर विपक्ष की सहमति को भी टाला नहीं जा सकेगा। इस बार मोदी सरकार के लिए कोई भी संविधान संशोधन बिल पारित कराना आसान नहीं होगा, क्योंकि बहुमत नहीं है। कांग्रेस के 99 और सपा के 37 सांसद चुनकर लोकसभा में आ रहे हैं। 'इंडिया' की कुल ताकत पर्याप्त है। पीएमओ पर भी गठबंधन के सहयोगियों की 'निगाह' बराबर बनी रहेगी। फिलहाल नायडू और नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात कर समर्थन और गठबंधन की गारंटी दी है, लेकिन उन दोनों के अतीत का इतिहास संदिग्ध रहा है। उससे उन्होंने सबक भी सीखा होगा! दोनों दल लोकसभा में स्पीकर का पद चाहते हैं। वाजपेयी सरकार के दौरान टीडीपी के बालयोगी स्पीकर होते थे। बहरहाल अभी तो मोदी सरकार को शपथ ग्रहण करनी है। इस बार 23.43 करोड़ मतदाताओं ने मोदी के नेतृत्व को वोट दिए हैं। यकीनन यह विश्व कीर्तिमान है, क्योंकि एक ही व्यक्ति के नाम इतने वोट नहीं डाले गए।

editor@rokthoklekhaninews.com
+91 99877 75650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

जुहू इलाके में बिल्डिंग की ऊंचाई को लेकर असमंजस... एयरपोर्ट अथॉरिटी का अजब प्रशासन!

मुंबई : हवाईअड्डा प्राधिकरण ने जुहू विले पार्ले विकास योजना (जेवीपीडी) के तहत इमारत की ऊंचाई के संबंध में दो अलग-अलग मंजूरी जारी की है और बाद में उच्च न्यायालय ने रोक लगा दी है। इस क्षेत्र में इमारतें दी गई पहली अनुमति (16 मंजिल) के अनुसार बनाई गई हैं। लेकिन दूसरी अनुमति (दस मंजिला) के अनुसार अब अधिभोग अधिकार प्रमाण पत्र महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी (म्हाडा) द्वारा जारी किया जा रहा है। इसलिए, छह अतिरिक्त मंजिलों के खरीदार असमंजस में हैं।

जुहू क्षेत्र में लेआउट मुख्य रूप से म्हाडा द्वारा विकसित किया गया है और अब तक हवाईअड्डा प्राधिकरण ने 57 मीटर ऊंची (16 मंजिल) तक इमारतों की अनुमति दी है। लेकिन जनवरी 2022 में एक नया पत्र जारी कर इमारत की ऊंचाई 33 मीटर (दस मंजिल) तक सीमित कर दी गई। हवाईअड्डा प्राधिकरण ने दावा किया है कि ऊंचाई प्रतिबंध कथित संभावित रडार के कारण है। हालांकि यह राडार अभी तक इलाके में मौजूद नहीं है, लेकिन इमारत की ऊंचाई को गलत ठहराया गया है। जुहू इलाके में कई इमारतें 16 मंजिला तक हैं यानी एयरपोर्ट अथॉरिटी की शुरूआती अनुमति के मुताबिक। हालाँकि, नवनिर्मित भवनों के लिए 10 मंजिलों की सीमा है। एक क्षेत्र में अलग-अलग ऊंचाई की दो इमारतें नजर आती हैं। जुहू इलाके में एक सहकारी आवास सोसायटी को पहले 57 मीटर और फिर छह महीने बाद 33 मीटर ऊंचाई का पत्र दिया गया। इसलिए संगठन ने इस पत्र को हाई कोर्ट में चुनौती दी. हाईकोर्ट ने एयरपोर्ट अथॉरिटी के 2022 के दूसरे पत्र पर भी रोक लगा दी. अदालत ने स्पष्ट किया कि यदि इमारत का निर्माण डेवलपर द्वारा किया गया है और यदि अनुमति म्हाडा द्वारा दी गई है, तो यह अंतिम निर्णय के अधीन होगा। हाई कोर्ट के स्टे के कारण म्हाडा ने 16 मंजिला निर्माण की अनुमति भी बरकरार रखी। इस जोर के साथ डेवलपर ने 16 मंजिल तक इमारत का निर्माण पूरा कर लिया। अब दो साल बाद भी हाईकोर्ट का अंतिम फैसला नहीं आया है.

चेंबूर में रसोई गैस सिलेंडर विस्फोट, आठ घायल

मुंबई: चेंबूर कैंप इलाके में गुरुवार सुबह एक रसोई गैस सिलेंडर फट गया. सात से आठ लोग घायल हो गए हैं और उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना गुरुवार सुबह करीब 7.30 बजे चेंबूर के सीजी गिडवानी रोड पर कैंप एरिया में हुई। यहां एक सैलून की पहली मंजिल पर एक सैलून मालिक का परिवार रहता था. इस घर में एक रसोई गैस सिलेंडर अचानक फट गया. इसमें बगल की दुकान सहित सैलून पूरी तरह नष्ट हो गया. घटना की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड तुरंत मौके पर पहुंची. लेकिन तब तक स्थानीय निवासियों ने घायलों को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया. स्थानीय लोगों ने जानकारी दी है कि इस विस्फोट में सड़क पर कई गाड़ियों के शीशे टूट गए हैं और कुछ अन्य घायल हो गए हैं.

उरण के 15 गांवों पर बाढ़ का खतरा, आपदा प्रबंधन योजना की घोषणा

उरण: बरसात के मौसम में प्रशासन ने आपदा प्रबंधन योजना की घोषणा की है और भारी बारिश के कारण तीन गांव दरारों से प्रभावित हैं और 15 गांवों में बाढ़ का खतरा है. उरण तालुका में कुल 62 गाँव और 35 ग्राम पंचायतें हैं। मानसून के दौरान आने वाली आपदा से निपटने के लिए उरैन प्रशासन तैयार है. इसके लिए एक कंट्रोल रूम भी तैयार किया गया है. इस दौरान प्रशासन ने नागरिकों से संकट की घड़ी में मोबाइल नंबर 9892538409 पर संपर्क करने की अपील की है. उरण तालुका तीन तरफ से समुद्र से घिरा हुआ है और एक तरफ पहाड़ों के कारण उरण तालुका में भारी वर्षा के कारण कई हिस्सों में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो जाती है।

उरण तहसील, उरण पुलिस स्टेशन, स्थानीय स्वशासन को भी आपदा प्रबंधन के लिए तैयार रहने का आदेश दिया गया है. उरण तालुका समुद्र तल से 21 फीट की ऊंचाई पर है। उरण नगर स्वयं द्विपकल्प में स्थित है। तालुका की जलवायु गर्म और आर्द्र है और तालुका में औसत वर्षा 2 हजार 983 मिमी है। इन गाँवों में कुछ स्थानों पर पुल और घाटों का निर्माण किया गया है। कुछ स्थानों पर नालों की सफाई कराई गई है। सिडको को इन नालों और रिटेंशन तालाबों से गाद निकालने के लिए भी कहा गया है।

नवघर, कुंडेगांव, पगोटे, बोकाडवीरा, भेंडखाल, बंधापाड़ा, चिरनेर, जसाई, पौंडखर, बेलोंडाखार, चिरले, कराल, सोनारी, सावरखार और जसखार तालुका के 15 गांव हैं, जहां भारी बारिश के दौरान बाढ़ का खतरा रहता है। चक्रवात से सबसे ज्यादा खतरा करंजा, मोरा, केगांव और नगांव गांवों पर है. उच्च ज्वार के कारण अवारे, कडपे, खोपटे, पंजे गांवों को खतरा होने की संभावना है। योजना यह भी जानकारी देती है कि मानसून या अन्य समय के दौरान तालुक में कहीं भी आपदा की स्थिति में किससे संपर्क करना है। हालाँकि उरण तालुका में कोई नदी नहीं है, लेकिन पहाड़ों से आने वाला पानी सीधे खाड़ियों तक पहुँचता है। इसलिए, ये खाड़ियाँ वर्षा जल ले जाने का स्रोत हैं। हालाँकि, पिछले कुछ वर्षों में इन खाड़ियों के संकीर्ण होने से पानी के प्रवाह में बड़ी बाधा उत्पन्न हो रही है।

शख्स पर चाकू से हमला...

एक गिरोह ने बार और लॉज में की तोड़फोड़, पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

नवी मुंबई: बुधवार शाम ऐरोली में पांच लोगों के एक गिरोह ने एक रिक्शा चालक की पिटाई कर दी. उसने अपने रक्षक को चाकू मार कर घायल कर दिया. ये गैंग यहीं नहीं रुके, उन्होंने वहां एक होटल में घुसकर जमकर तोड़फोड़ की. इस बार एक लैपटॉप और एक मोबाइल फोन चोरी हुआ है. रबाले पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है.

आरोपियों के नाम नित्या भाई, बाबा राठौड़ और उनके जीजा के साथ ही प्रवीण राठौड़ उर्फ नेत्या हैं. वादी सतीश जाधव शाम करीब पांच बजे गणपति पाड़ा येथिल होटल त्रिमूर्ति में एक रिक्शा चालक से बात कर रहे थे. तभी ये गिरोह अचानक कहीं से आये और रिक्शे वाले को लात-घूंसों और पत्थरों से पीटना शुरू कर दिया. उन्होंने रिक्शा पर भी पथराव कर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया. उस वक्त जब अभियोजक सतीश जाधव उन्हें रोकने गए तो नित्या भाई ने जाधव पर चाकू से हमला कर दिया और उनके माथे पर वार कर दिया. इसमें वह घायल हो गये.

गिरोह ने त्रिमूर्ति बार में तोड़-फोड़ की और बार की मेज और कुर्सी को क्षतिग्रस्त कर दिया। साथ ही डीजे की मशीन तोड़ दी और उसके पास मौजूद लैपटॉप को जबरन छीन लिया. नित्या, बाबा और उसके जीजा ने बार के ग्राहकों को चाकुओं से धमकाया कि वे अंदर न आएं अन्यथा वे उन्हें मार डालेंगे। तो सारे ग्राहक भाग खड़े हुए. उनमें से एक ने समीर सुले का मोबाइल फोन छीन लिया. इसके बाद आरोपियों ने अपना मार्च लिपिका रेजीडेंसी लॉज की ओर स्थानांतरित कर दिया, जो त्रिमूर्ति बार के किनारे स्थित है। उन्होंने यहां घुसकर पथराव किया, मुख्य दरवाजे का शीशा और अन्य सामान तोड़ दिया और लॉज में एक कर्मी की पिटाई कर भाग गये. सतीश जाधव की ओर से दी गई शिकायत के आधार पर रबाले पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है.

सीएम शिंदे ने 2 मंत्री पद मांगे, पार्टी बीजेपी से नाराज, रिपोर्ट का दावा

मुंबई : महाराष्ट्र की राजनीति में एक नया मोड़ आया है, क्योंकि ऐसी खबरें आ रही हैं कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे नए मंत्रिमंडल में अपनी पार्टी के लिए मंत्री पद के लिए बातचीत कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, सीएम शिंदे कथित तौर पर 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजों की घोषणा के बाद अपनी पार्टी के लिए दो मंत्रालयों की मांग कर रहे हैं। इस बीच, महाराष्ट्र में स्थानीय भारतीय जनता पार्टी नेतृत्व के प्रति एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट के भीतर बढ़ते असंतोष का संकेत दिया गया है। राज्य चुनावों से कुछ महीने पहले यह कलह सामने आई है, जिसे उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा लोकसभा चुनावों में भाजपा के खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा देने के फैसले से और बढ़ावा मिला है। फडणवीस ने कल अपने इस्तीफे की पेशकश करते हुए महाराष्ट्र विधानसभा के भीतर अपनी विधायी भूमिका पर ध्यान केंद्रित करने का लक्ष्य रखा। सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट के अनुसार, शिंदे खेमे के नेता मुंबई दक्षिण, नासिक, हिंगोली और यवतमाल जैसी लोकसभा सीटों के लिए उम्मीदवार चयन में भाजपा के हस्तक्षेप से असंतुष्ट हैं। नेताओं ने कथित तौर पर दावा किया कि भाजपा ने या तो अपने उम्मीदवार थोपे या इन सीटों पर चुनाव लड़ा, जिसके परिणामस्वरूप घोषणाओं में देरी हुई।

उन्होंने आगे तर्क दिया कि राज्य में शिंदे सेना का प्रदर्शन भाजपा से बेहतर है और मांग की कि शिंदे को भाजपा के हस्तक्षेप के बिना राज्य के चुनावों का नेतृत्व करना चाहिए। इन तनावों के बीच, एकनाथ शिंदे ने आज मुंबई के वर्षा बंगले में अपनी पार्टी के सांसदों की बैठक बुलाई थी, जिसमें कैबिनेट पदों पर चर्चा की गई थी।शिंदे के नेतृत्व में सत्तारूढ़ शिवसेना गुट ने महाराष्ट्र में 15 लोकसभा सीटों में से सात पर जीत हासिल की, जिसमें शिंदे का गढ़ ठाणे भी शामिल है। हालांकि, मुंबई में दो प्रमुख निर्वाचन क्षेत्र प्रतिद्वंद्वी शिवसेना (यूबीटी) से हार गए।

आगामी विधानसभा चुनाव शिंदे के लिए महत्वपूर्ण होंगे, क्योंकि वे यह निर्धारित करेंगे कि 2022 के पार्टी विभाजन के बाद किस गुट को 'असली' शिवसेना के रूप में मान्यता दी जाती है। चुनाव लड़ी गई 15 सीटों में से शिंदे के नेतृत्व वाली सेना को 13 सीटों पर शिवसेना (यूबीटी) से सीधी टक्कर मिली और छह निर्वाचन क्षेत्रों में जीत हासिल हुईः ठाणे, कल्याण, हातकणंगले, बुलढाणा, औरंगाबाद और मावल। हालांकि, पार्टी मुंबई दक्षिण और मुंबई दक्षिण मध्य में हार गई, लेकिन मुंबई उत्तर पश्चिम को 48 वोटों के मामूली अंतर से बरकरार रखने में सफल रही। 2019 में, अविभाजित शिवसेना ने भाजपा के साथ गठबंधन में 23 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ा, जिसमें से 18 पर जीत हासिल की। विभाजन के बाद, शिंदे के नेतृत्व वाले गुट ने 2024 के लोकसभा चुनावों में गठबंधन सहयोगियों भाजपा और अजीत पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के साथ संघर्ष के कारण केवल 15 सीटों पर चुनाव लड़ा।

पुणे : विमान की सीट के नीचे छिपाया गया 78 लाख रुपये का सोना, यात्री गिरफ्तार

पुणेः सीमा शुल्क अधिकारियों ने महाराष्ट्र के पुणे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक यात्री को विमान की सीट के नीचे पाइप में छिपाकर रखे गए 78 लाख रुपये मूल्य के सोने के पेस्ट को जब्त करने के बाद गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। प्रोफाइलिंग के आधार पर, बुधवार को Dubi से आए यात्री को रोका गया, लेकिन उसकी व्यक्तिगत तलाशी या सामान की जांच में कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिला।

''चूंकि यात्री का व्यवहार बहुत संदिग्ध था, इसलिए उससे पूछा गया कि क्या उसने विमान में कुछ छिपाया है। चूंकि उसके जवाबों से संदेह और बढ़ गया, इसलिए उसकी सीट और विमान में कुछ अन्य स्थानों की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान, जिस सीट पर वह बैठा था, उसके नीचे पाइप में सोने के पेस्ट का एक पैकेट मिला।'' अधिकारी ने कहा कि 24 कैरेट सोने का वजन 1,088.3 ग्राम है और इसकी कीमत 78 लाख रुपये है।

नवी मुंबई में दो मछुआरे चलती बेस्ट बस से ड्राइवर के अचानक मोड़ लेने के कारण बाहर गिर गए।

नवी मुंबई : बेस्ट बस के चालक द्वारा तेज गति से मोड़ लेने के कारण संतुलन खो देने और बस से बाहर गिरने के बाद दो मछुआरिनों के सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं और उन्हें गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती कराया गया। मछुआरिनों, 30 वर्षीय सोनी वाघ और उनकी बड़ी बहन सीता वाघ, 32, 1 जून को शाम 6 बजे कोपरखैराने में अपनी मां और चाची के साथ बस में सवार हुईं। घनसोली की ओर बढ़ते समय, बस चालक स्वप्निल भागवत Devre mhस्त्री पुल को जोड़ते समय एक तेज मोड़ लिया।

बस के अंदर खड़ी सीता और सोनी दोनों ने अपना संतुलन खो दिया और पिछले दरवाजे से गिर गईं। वे डङ्गस्त्री१ॅ१ल्ली इं८ में केकड़े पकड़ने के बाद घर लौट रही थीं। बस में चढ़ने के बाद, वे कंडक्टर से टिकट लेने का इंतजार कर रही थीं। प्रारंभिक उपचार के लिए बहनों को वाशी के एनएमएमसी जनरल अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, चोटों की गंभीरता के कारण बहनों को सायन अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया।

''एनएमएमसी अस्पताल में, हमें बताया गया कि वहां कोई ब्रेन सर्जन नहीं है और इसलिए हमें उन्हें सायन अस्पताल में स्थानांतरित करने के लिए कहा गया, जहां दो दिनों तक उनका इलाज नहीं किया गया और उन्हें 24 घंटे से अधिक समय तक मेटल स्ट्रेचर पर अकेला छोड़ दिया गया। स्टाफ ने उनके साथ अभद्र व्यवहार भी किया। जब इलाज शुरू करने के लिए कहा गया, तो डॉक्टरों ने कहा कि कई अन्य रोगियों का इलाज करना है,'' पवार ने कहा। सायन अस्पताल में डॉक्टरों के उदासीन रवैये के कारण रिश्तेदारों को डोंबिवली के एक निजी अस्पताल में इलाज कराना पड़ा। सोनी के सिर पर कई टांके लगे हैं और सीता को पूरे शरीर में गंभीर चोटें आई हैं। पुलिस ने बेस्ट बस चालक स्वप्निल देवरे के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 279 (लापरवाही से गाड़ी चलाना), 337 (किसी को जल्दबाजी या लापरवाही से चोट पहुंचाना), 338 (किसी को गंभीर चोट पहुंचाना) और मोटर वाहन अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। बेस्ट अधिकारियों ने कहा कि वे मामले की जांच कर रहे हैं। बेस्ट के जनसंपर्क अधिकारी सुनील वैद्य ने कहा, ''ड्राइवर के खिलाफ सेवा विनियमन के अनुसार कार्रवाई शुरू की जाएगी। पीड़ित उचित प्रक्रिया का पालन करके मुआवजे की मांग कर सकते हैं।''

मुंबईः छात्रों और अभिभावकों ने NEET UG परीक्षा दोबारा कराने की मांग की...

मुंबई : कई मेडिकल उम्मीदवार पेपर लीक, खोए हुए समय के लिए अंतिम समय में करने और इस साल के नतीजों में त्रुटियों के आरोपों का हवाला देते हुए राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (स्नातक) 2024 के लिए फिर से परीक्षा की मांग कर रहे हैं। प्री-मेडिकल प्रवेश परीक्षा आयोजित करने वाली राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि परीक्षा के समय के नुकसान के बारे में चिंता जताने वाले छात्रों को ग्रेस मार्क्स दिए गए थे।

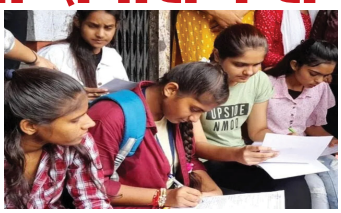

हालांकि, छात्रों ने असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि एनटीए के बयान में स्पष्टता का अभाव है। एनटीए ने 2.4 मिलियन से अधिक छात्रों के लिए नीट यूजी परिणामों की घोषणा 4 जून को तय समय से 10 दिन पहले की, जो 2024 के आम चुनाव परिणामों के साथ मेल खाता है। 67 studefts 99.997129% के उच्चतम स्कोर के साथ (एआईआर) 1 हासिल की। इस साल सभी श्रेणियों के लिए नीट कट-ऑफ में भी वृद्धि हुई है। इस साल कुल 1,029,154 पुरुष, 1,376,831 महिलाएं और 13 थर्ड-जेंडर उम्मीदवारों ने परीक्षा के लिए पंजीकरण कराया था, जिनमें से 547,036 पुरुष, 769,222 महिलाएं और 10 थर्ड-जेंडर उम्मीदवार परीक्षा के लिए योग्य पाए गए।छात्रों और विशेषज्ञों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर मेरिट लिस्ट में गड़बड़ी का आरोप लगाया।

एक्स यूजर श्रीराम बिश्नोई ने बताया कि एक ही केंद्र से एक ही अनुक्रम के रोल नंबर वाले आठ NEET उम्मीदवारों ने टॉप किया। उन्होंने लिखा, ''यह कैसे संभव है कि 25 लाख छात्रों में से 8 छात्र एक ही केंद्र से टॉप करें?'' एक NEET शिक्षक द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में NTA की अंकन प्रणाली को भी चुनौती दी गई और मांग की गई कि फॉमूर्ला सार्वजनिक किया जाए।

नीट के नतीजे घोषित होने के कुछ घंटों बाद, एनटीए ने एक बयान जारी कर बताया कि कैसे कुछ छात्रों ने 720 में से 718 और 719 अंक प्राप्त किए। एजेंसी ने स्पष्ट किया कि अनुग्रह अंक देने का निर्णय परीक्षा के समय के नुकसान की भरपाई के लिए अदालत के आदेश के अनुसार किया गया था। परीक्षा के समय के नुकसान का पता लगाया गया था, और ऐसे उम्मीदवारों को अनुग्रह अंकों के साथ मुआवजा दिया गया था।

इसलिए, उम्मीदवारों के अंक 718 या 719 भी हो सकते हैं, ''एनटीए ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा। ''इस साल का परिणाम चौंकाने वाला और 650 से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों के लिए बहुत तनावपूर्ण था,'' एक मेडिकल छात्र के अभिभावक बृजेश सुतारिया ने कहा। ''एक छात्र जिसने 650 से अधिक अंक प्राप्त किए हैं, वह अपनी पसंद के कॉलेज में प्रवेश नहीं ले पा रहा है।'' अभिभावकों के एक समूह ने NEET UG **2024** के लिए फिर से परीक्षा की मांग करते हुए एक ऑनलाइन अभियान शुरू किया। ''हम इसे देश भर के कुछ केंद्रों में सामूहिक नकल या पेपर लीक की घटना मानते हैं। हमें पेपर लीक की घटनाओं में निजी कोचिंग संस्थानों की संलिप्तता पर भी संदेह है,'' अभिभावकों में से एक ने कहा। उत्तरा ने यह भी सवाल उठाया कि परिणाम जल्दी क्यों घोषित किया गया। ''निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, NEET परिणाम 14 जून को आने की उम्मीद थी। लेकिन बिना किसी कारण के, NTA ने इसे बहुत पहले घोषित कर दिया।

भाजपा मुंबई प्रमुख आशीष शेलार के 'राजनीति से संन्यास' के वादे पर शिवसेना यूबीटी सांसद अरविंद सावंत

मुंबईः शिवसेना सांसद अरविंद सावंत ने मुंबई भाजपा प्रमुख आशीष शेलार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि लोग उनके राजनीति से संन्यास लेने का इंतजार कर रहे हैं, क्योंकि शेलार ने कहा है कि अगर विपक्षी एमवीए महाराष्ट्र में 18 लोकसभा सीटें भी जीतती है तो वह राजनीति से संन्यास ले लेंगे।शेलार रौं"१ पर निशाना साधते हुए, जिन्होंने तीसरी बार मुंबई दक्षिण लोकसभा सीट जीती, ने बुधवार को यह भी दावा किया कि ''ये लोग'' अहंकार से भरे हुए हैं।कांग्रेस, उद्धव ठाकरे की शिवसेना और शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी (एसपी) से मिलकर बनी महा विकास अघाड़ी ने मंगलवार को महाराष्ट्र की 48 लोकसभा सीटों में से 30 सीटें जीतीं।

सत्तारूढ़ महायुति, जिसमें भाजपा, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना, और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी शामिल हैं, ने 17 सीटें जीतीं, जबकि एक सीट एक निर्दलीय उम्मीदवार ने जीती। चुनावों से पहले शेलार ने कहा था कि अगर महाराष्ट्र में महायुति 45 सीटों को पार कर जाती है, तो उद्धव ठाकरे को राजनीति छोड़ देनी चाहिए और अगर एमवीए 18 सीटें जीतती है, तो वह राजनीति छोड़ देंगे।

शेलार के दावे के बारे में पूछे जाने पर सावंत ने बुधवार को दिल्ली में संवाददाताओं से कहा, ''लोग आपके राजनीति से संन्यास लेने का इंतजार कर रहे हैं।'' मुंबई की छह लोकसभा सीटों में से भाजपा ने तीन सीटों पर चुनाव लड़ा और दो पर हार गई। भाजपा के लिए एकमात्र चेहरा मुंबई उत्तर सीट पर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल की जीत थी।

पूर्व सैनिकों का संपत्ति कर कब माफ करेगी पनवेल नगर पालिका?

पनवेल: पिछले साल के बजट में, पनवेल नगर निगम ने नगरपालिका क्षेत्र में पूर्व सैनिकों को संपत्ति कर से सामान्य कर छूट की घोषणा की थी। लेकिन एक वर्ष बीत जाने के बाद भी नगर निगम प्रशासन द्वारा इस पर अमल नहीं किये जाने पर पूर्व सैनिकों ने रोष व्यक्त किया है. इसे लागू कराने के लिए पूर्व सैनिक पिछले एक साल से नगर निगम मुख्यालय पर आंदोलन कर रहे हैं। नगर निगम क्षेत्र के करीब ढाई हजार पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के मन में सवाल है कि उन्हें टैक्स में छूट कब मिलेगी।

गुरुवार को पनवेल के पूर्व सैनिक सामाजिक संगठन के पदाधिकारी मनपा में आयुक्त से मिलने पहुंचे. लेकिन कमिश्नर डॉ. प्रशांत रसाल के नगर पालिका में उपलब्ध न होने के कारण उनसे मुलाकात नहीं हो सकी। भाजपा के पनवेल नगर पालिका के पूर्व सदन नेता परेश ठाकुर ने पूर्व सैनिकों को इस योजना का लाभ दिलाने के लिए अगस्त 2023 में नगर आयुक्त को एक बयान दिया था। नाराज पूर्व सैनिक गुरुवार को नगर निगम मुख्यालय के प्रवेश द्वार पर पूछ रहे थे कि नगर निगम प्रशासन ने पूर्व सैनिकों का मजाक क्यों उड़ाया और सरकार के इस महत्वपूर्ण फैसले को लागू क्यों नहीं किया. तत्कालीन आयुक्त गणेश देशमुख ने पूर्व सैनिकों को सम्मान देते हुए मनपा की ओर से विभिन्न कार्यक्रमों में सम्माननीय स्थान दिया था. हालाँकि वर्तमान मनपा प्रशासन द्वारा पूर्व सैनिकों को दी जाने वाली रियायतों की घोषणा नहीं किये जाने से पूर्व सैनिक सामाजिक संगठन के पदाधिकारी विजय जगताप, समीर डुंडारेकर, दत्तात्रय चव्हाण ने यह भावना व्यक्त की है कि सैनिकों का मजाक उड़ाया जा रहा है.

पूर्व सैनिकों के लिए पनवेल नगर पालिका की क्या योजना थी?

पनवेल नगर पालिका ने पनवेल नगर पालिका क्षेत्र में रहने वाले पूर्व सैनिकों को सामान्य संपत्ति कर से 100% छूट देने का निर्णय लिया है। इससे नगर निगम क्षेत्र के पूर्व सैनिकों को टैक्स में बड़ी राहत मिलेगी। ''यह निर्णय तत्कालीन पनवेल नगर आयुक्त गणेश देशमुख के कार्यकाल के दौरान माननीय बालासाहेब ठाकरे पूर्व सैनिक और उनकी विधवा पत्नी के लिए संपत्ति कर माफी योजना के माध्यम से लिया गया था। इससे राज्य में नागरिक स्थानीय निकायों के अधिकार क्षेत्र में रहने वाले सभी पूर्व सैनिकों और उनकी विधवाओं को सामान्य कर से 100 प्रतिशत छूट मिलेगी। उस समय, नगर पालिका ने मीडिया को बताया था कि संबंधित कर छूट 1 अप्रैल, 2023 से लागू की गई थी। इससे पहले नगर निगम क्षेत्र में पूर्व सैनिकों को सामान्य कर में 8 फीसदी की छूट मिलती थी. नगर पालिका ने घोषणा की थी कि पूर्व सैनिकों के लिए सामान्य कर 1 अप्रैल 2023 से पूरी तरह माफ कर दिया जाएगा। नगर पालिका ने उस समय यह भी घोषणा की थी कि जिन पूर्व सैनिकों ने 1 अप्रैल 2023 से 1 अगस्त 2023 के बीच संपत्ति कर का भुगतान किया है, उनका सामान्य कर भुगतान अगले वर्ष के संपत्ति कर बिल में समायोजित किया जाएगा। पूर्व सैनिकों ने संबंधित रियायत का लाभ उठाने के लिए 14 सितंबर 2023 तक आवेदन मांगे थे।

कल्याण : दो गुटों के बीच हिंसक झड़प... घरों और वाहनों में तोड़फोड़!

कल्याण: कल्याण पूर्व के काटेमानीवली महालक्ष्मी शॉपिंग सेंटर इलाके में दो गुटों के बीच हिंसक झड़प हो गयी. इस मारपीट में काटेमानिवली इलाके में एक तरफ से दो लोग और दूसरी तरफ से सात लोग एक-दूसरे पर पत्थर फेंक रहे थे और एक-दूसरे को घायल कर रहे थे. इस समय इन गुटों ने इलाके के घरों पर, महावितरण रोहित पर, इलाके में खड़ी गाड़ियों पर पथराव कर और गाड़ियों के शीशे लकड़ी से तोड़कर इलाके के निवासियों को भारी आर्थिक नुकसान पहुंचाया है. चिपक जाती है।

इस घटना से सवाल उठ रहे हैं कि क्या इन युवाओं को पुलिस का डर है या नहीं. प्रभावित निवासियों ने पुलिस से मांग की है कि इन नौ युवकों से हुए नुकसान की भरपाई की जाए. इस्टेट एजेंट देवेन्द्र रामजी प्रसाद (46) की इनोवा कार को युवकों ने पत्थर और लकड़ी से मारकर तोड़ दिया। लिहाजा, इस मामले में देवेंद्र ने कोलसेवाड़ी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है. पुलिस ने कल्याण ईस्ट कोलसेवाड़ी इलाके में रहने वाले तुषार वाल्मिकी, अरविंद राजा नायडू, आशीष प्रेमचंद पांडे, आनंद चक्कीवाला, राजा पंडित, टैम बच्चू, राहुल गुप्ता, प्रेमगुप्ता उर्फ गुंडा, अरबाज के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक कटेमांवाली क्षेत्र में रहने वाला अरविंद राजा पुत्र तुषार बुधवार रात दूसरे क्षेत्र से पैदल अपने घर आ रहा था। उस वक्त काटेमानिवली इलाके में महालक्ष्मी शॉपिंग सेंटर पर सात अन्य आरोपियों ने उसे रोका था. उससे पुराने झगड़े के बारे में पूछा।

इसी दौरान दोनों गुटों में बहस हो गई और उन्होंने एक-दूसरे को पीटा, एक-दूसरे पर पथराव किया और इलाके के घरों पर पथराव किया. कई घरों की छतें नष्ट हो गईं. पथराव से सड़क किनारे खड़ी देवेन्द्र प्रसाद की इनोवा, योगेश गावकर की सवारी गाड़ी, मुस्कान यादव का घर क्षतिग्रस्त हो गया। महावितरण के रोहिता की बिजली लाइन पत्थरों से टूट गई. इससे क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बाधित हो गयी.

इस तूफानी पथराव के कारण इलाके में पत्थरों की बारिश होने लगी. इलाके के निवासी इस डर से अपने घरों में छिप गए कि कहीं कोई पत्थर उनकी जान न ले ले. जैसे ही पुलिस को यह सूचना मिली तो वह मौके पर पहुंच गई. इस क्षेत्र में आने वाले वाहनों को दूसरे मार्ग पर मोड़ दिया गया। आरोपियों ने इस इलाके में आतंक का माहौल बनाया और निवासियों को नुकसान पहुंचाया, इसलिए पुलिस ने दोनों समूहों के खिलाफ दंगे का मामला दर्ज किया है. पुलिस ने फरार आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है.

दीवान हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड से जुड़े कथित घोटाले की जांच

मुंबई : ऑथम इन्वेस्टमेंट भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के साथ पंजीकृत है और इसकी कुल संपत्ति 9,500 करोड़ रुपये है। जस्टिस कमल खता और श्याम चांडक की अवकाश पीठ ने डांगी के खिलाफ CBI द्वारा जारी लुक आउट सर्कुलर (LOC) को 24 जून तक के लिए निलंबित कर दिया और 6 जून से 15 जून तक अमेरिका और 15 जून से 23 जून तक ब्रिटेन की यात्रा करने की अनुमति मांगने वाली उनकी याचिका को स्वीकार कर लिया।

डांगी के वकील निशांत चोथानी ने प्रस्तुत किया कि उनका नाम सीबीआई द्वारा दायर आरोपपत्र में नहीं है। सीबीआई मामले में डांगी को गवाह के तौर पर गवाही देने के लिए एजेंसी ने बुलाया था। साथ ही, उन्हें पांच मौकों पर विदेश यात्रा की अनुमति दी गई थी और उन्होंने कभी भी उन पर लगाई गई किसी भी शर्त का उल्लंघन नहीं किया। सीबीआई के अधिवक्ता टीसी निर्भावने और एएम चिमलकर ने इस आधार पर याचिका का विरोध किया कि एजेंसी अब डांगी को ''गवाह से आरोपी की श्रेणी में स्थानांतरित करना चाहती है और उनके खिलाफ आरोप पत्र दाखिल करेगी''। मामले में कागजात और कार्यवाही का अनुसरण करने के बाद पीठ ने कहा कि सीबीआई ने डीएचएफएल और अन्य के खिलाफ मामले में आरोप पत्र दाखिल किया है और आज तक डांगी को आरोपी के तौर पर पेश नहीं किया है।

पीठ ने टिप्पणी की, ''निस्संदेह, आवेदक को गवाह के तौर पर भी नहीं दिखाया गया है।'' इसने इस बात को भी ध्यान में रखा कि डांगी को कुछ नियम और शर्तें लागू करने पर विदेश यात्रा की अनुमति दी गई थी। ''विदेश यात्रा के अधिकार को वास्तव में भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता दी गई है। न्यायाधीशों ने रेखांकित किया कि यदि आवेदक (डांगी) को अभियुक्त के रूप में अभियोजित नहीं किया गया है, तो उसे विदेश यात्रा करने से नहीं रोका जाना चाहिए, खासकर तब जब लुक आउट सर्कुलर को चुनौती दी गई हो।

अदालत ने डांगी को अदालत में एक वचनबद्धता दाखिल करने पर विदेश यात्रा करने की अनुमति दी कि वह जांच एजेंसी को प्रदान किए गए ''यात्रा कार्यक्रम का सख्ती से पालन करेगा'' और वह 24 जून को या उससे पहले भारत लौट आएगा। साथ ही, उसे वचन देना होगा कि वह इन दिनों के दौरान केवल यूएसए और यूके की यात्रा करेगा और यात्रा कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा।

'मेट्रो 3' रूट पर एमएमआरसी ने 2,600 और पेड़ लगाने का फैसला किया

मुंबई : मुंबई मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (एमएमआरसी) ने 'कुलाबा-बांद्रा-सिप्ज मेट्रो 3' रूट पर 13 स्टेशनों के पास 500 पेड़ लगाए हैं और अब एमएमआरसी ने 2,600 और पेड़ लगाने का फैसला किया है। इसलिए, अब 'मेट्रो 3' रूट पर स्टेशनों का क्षेत्र हरा-भरा होगा। एमएमआरसी ने उच्च न्यायालय में प्रस्तुत उपक्रम के अनुसार 'मेट्रो 3' लाइन पर स्टेशन परिसर में पेड़ लगाना शुरू कर दिया है। सीपज, एमआईडीसी, शीतलादेवी, दादर, सिद्धिविनायक, विज्ञान संग्रहालय, महालक्ष्मी, मुंबई सेंट्रल, सीएसएमटी, चर्चगेट, विधान भवन और कफ परेड नामक 13 मेट्रो स्टेशनों के पास 500 से अधिक पेड़ लगाए गए हैं। अब अन्य स्टेशनों के पास 2600 पौधे लगाए जाएंगे। एमएमआरसी ने मूल स्थल पर वृक्षारोपण के लिए तीन ठेके दिए हैं।

नियुक्त ठेकेदारों को नर्सरी में जड़ वाले पेड़ों की आपूर्ति, रोपण और रखरखाव की जिम्मेदारी सौंपी जाती है। स्टेशनों का निर्माण पूरा होने के बाद इन पेड़ों को उनके मूल स्थान पर लगाया जा रहा है। फूलों के पौधे, सजावटी पेड़, लगभग सात साल की उम्र और 15 फीट ऊंचाई के सदाबहार पेड़ लगाए जा रहे हैं। यथास्थान वृक्षारोपण अभियान के लिए चयनित वृक्ष प्रजातियों में महोगनी, बकुल, पिंपल, सोनचाफा, नीलमोहोर, तमन, कदम्बा, देसी बादाम, आकाश नीम, स्पैथोडिया, तबेबुया, छाता-वृक्ष, सप्तपर्णी, पिंपल, पंगारा, जंगली बादाम, चाफा शामिल हैं। वगैरह।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com